ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

He Was Thought Of As A Puppet...

"He was brilliant but terribly insecure, always looking for affirmation from America. The Shah was one of the most confounding personalities, most contradictory." - Scott Anderson

This Is For Everyone

Jaipur Becomes India's Global Art Stage

विनोद तावड़े व राम माधव की मुख्यधारा में वापसी, साहसिक निर्णय हैं

नए पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने इस एक ही निर्णय से स्थापित किया कि वे कठपुतली अध्यक्ष नहीं हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जनवरी। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने पद संभालते ही तेजी से काम शुरू कर दिया है और संगठनात्मक स्तर पर कई अहम बदलावों की घोषणा की है, जिनमें से कुछ को साहसिक और अप्रत्याशित माना जा रहा है। कभी भाजपा के बेहद प्रभावशाली नेता रहे राम माधव की वापसी हुई है, वहीं महाराष्ट्र के विवादास्पद नेता विनोद तावड़े की भी पार्टी में वापसी कराई गई है। पद संभालने के महज एक दिन के भीतर ही, नए भाजपा अध्यक्ष ने आगामी केरल विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारियों की नियुक्ति कर दी, साथ ही तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनावों और ग्रेटर बेंगलुरु नगर निगम चुनाव, जैसे अहम नगर निकाय मुकाबलों के लिए भी इसी तरह की नियुक्तियां की गईं।

- जैसा कि विदित ही है, विनोद तावड़े व राम माधव काफी समय से भाजपा हाईकमान द्वारा लगभग ड्योढ़ी बाहर से थे।
- विनोद तावड़े, जो पूर्व में महाराष्ट्र की भाजपा सरकार के मंत्री रहे हैं, पर, वे कई राजनीतिक विवादों में फंस गए थे। उदाहरण के लिए उन पर महाराष्ट्र के चुनाव में वोटरों में पैसे बांटने का सार्वजनिक आरोप लगा था। विपक्ष ने तावड़े पर यह भी आरोप लगाया था, उन्होंने महाराष्ट्र में फर्ज़ी डिग्रियां दी थीं। पर, अब तावड़े को केरल के चुनाव का प्रभारी नियुक्त किया गया है तथा चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव कराने के पर्यवेक्षक की अतिरिक्त जिम्मेवारी भी सौंपी गई है।
- इसी प्रकार राम माधव, जो कभी विदेश यात्राओं की पूरी व्यवस्था में गहराई से जुड़े हुए थे, भी कुछ समय से भाजपा के लिए ''अमहत्वपूर्ण'' हो गए, उनको भी नितिन नबीन ने लगभग पुनः नया राजनीतिक जीवन दिया है, तेलंगाना व बैंगलुरु की म्युनिसिपल चुनाव का प्रभारी बनाकर।
- इन दो पुराने महारथियों को नई जिम्मेवारियां व अतिरिक्त जिम्मवारियां देकर, यह भी मैसेज दिया है कि भाजपा किसी भी चुनाव को महत्वहीन नहीं मानती और हाईकमान हर चुनाव को गंभीरता से लेता है।

नितिन नबीन द्वारा की गईं इन नियुक्तियों से सबसे बड़ा संकेत भाजपा महासचिव विनोद तावड़े को दी गई बड़ी भूमिका और पार्टी के पूर्व प्रमुख नेता राम माधव की वापसी के रूप में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री आज सिरोही में लाभार्थियों को राशि ट्रांसफर करेंगे

जयपुर, 21 जनवरी। अयोध्या में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राज्य सरकार प्रदेशवासियों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की सौगातें देने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस शुभ अवसर पर गुरूवार (22 जनवरी) को सिरोही में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को डीबीटी करेंगे। वे मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

- रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दो वर्ष पर राज्य सरकार ग्राम उत्थान शिविर शुरु करेगा

के तहत किसानों को पांचवी किस्त देंगे।

साथ ही, ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) के तहत 9 फरवरी तक आयोजित होने वाले ग्राम उत्थान शिविरों का शुभारंभ भी करेंगे।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना, मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना, निर्माण श्रमिकों एवं किसानों को कृषि आदान अनुदान सहायता की राशि डीबीटी की जाएगी। साथ ही, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भी लाभार्थियों को चैक वितरित किए जाएंगे।

नितिन नबीन को राज्यसभा सदस्य बनाकर दिल्ली लाया जाएगा?

शायद फिलहाल नहीं, क्योंकि भाजपा बिहार जैसे राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रदेश से नए पार्टी अध्यक्ष का संपर्क एकाएक नहीं तोड़ना चाहती

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जनवरी। नितिन नबीन ने मंगलवार सुबह, यानी 24 घंटे पहले, भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला और तुरंत काम में जुट गए। उनके पहले फैसलों में इस वर्ष के अंत में होने वाले केरल विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के प्रभारी और सह-प्रभारी की नियुक्ति, साथ ही कुछ स्थानीय निकाय चुनावों से जुड़े निर्णय शामिल थे।

बुधवार सुबह उन्होंने भाजपा की विभिन्न राज्य इकाइयों के वरिष्ठ नेताओं, जिसमें उनके अध्यक्ष और पार्टी के संगठनात्मक महासचिव भी शामिल हैं, के साथ बैठक की, जो दिनभर चली।

सूत्रों के अनुसार, नितिन नबीन फिलहाल भविष्य में भी बिहार के विधायक बने रह सकते हैं, क्योंकि पार्टी इस पूर्वी राज्य से अपने इस संबंध को तोड़ना नहीं चाहती।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या नितिन नबीन 2 फरवरी से शुरू हो रहे बिहार विधानसभा के बजट सत्र में हिस्सा लेंगे? यह सवाल इसलिए उठ रहा है, क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कैबिनेट से इस्तीफा देने के बावजूद, वे अभी भी विधायक हैं। ज्ञातव्य है कि नबीन बिहार सरकार में रोडवेज़ मंत्री थे।

- पर, पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेवारी, इतना समय नहीं छोड़ती, कि अध्यक्ष बिहार विधानसभा के सदस्य के रूप में विधानसभा में सक्रिय भूमिका निभा सकें। इसीलिए निवर्तमान अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को उनके गृह राज्य हिमाचल से राज्यसभा का सदस्य बनाकर दिल्ली लाया गया था।
- दूसरी तरफ, अमित शाह 2013 में राष्ट्रीय महासचिव बने तथा अगले वर्ष ही पार्टी अध्यक्ष भी नियुक्त हुए, पर, 2017 तक वे गुजरात विधानसभा के ही सदस्य बने रहे, हालांकि 2014 के लोकसभा चुनाव में भारी जीत के बाद मोदी व शाह दिल्ली में अति सक्रिय हो गए थे।
- पर, उस समय की राजनीतिक परिस्थिति में गुजरात की स्थिति पर निगाह व नियंत्रण रखना जरूरी था, अतः अमित शाह गुजरात की विधानसभा के सक्रिय सदस्य बने रहे थे, कई साल तक।

भारत के 7 टॉप सीईओ को ट्रंप ने दावोस में आमंत्रित किया

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने इन्हें उच्च स्तरीय रिसैप्शन में शामिल होने का न्यौता दिया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जनवरी। बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच इस सप्ताह दुनिया की राजनीतिक और कारोबारी हस्तियां स्विस आल्प्स में जुट रही हैं। सबसे ज्यादा निगाहें अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की मौजूदगी पर टिकी हैं, जो छह साल बाद पहली बार वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्युईएफ) में शामिल हो रहे हैं।

ट्रंप बुधवार को मुख्य भाषण देंगे, जिसके बाद वे एक उच्चस्तरीय रिसेप्शन की मेजबानी करेंगे। इस रिसेप्शन में आमंत्रित लोगों में भारत के सात सबसे प्रभावशाली कारोबारी नेता शामिल हैं।

रिसेप्शन में शामिल होने वाले भारतीय उद्योगपतियों में टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन, भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल, विप्रो के सीईओ श्रीनी पलिया,

- इनमें टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन, भारती एंटरप्राइज़ेज के सुनील भारती मित्तल, इंफोसिस के सलिल एस. पारेख, विप्रो के श्रीनि पालिया, बजाज फिनसर्व के संजीव बजाज, महिंद्रा के अनीश शाह, जुबिलैंट भारतीय ग्रुप के हरी एस. भारतीय शामिल हैं।
- ट्रंप द्वारा आयोजित रिसैप्शन ने भारतीय उद्योग जगत के दिग्गज़ों की मौजूदगी अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते महत्व को दर्शाती है।

इंफोसिस के सीईओ सलिल एस. पारेख, बजाज फिनसर्व के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव बजाज, महिन्द्रा समूह के ग्रुप चीफ एग्ज़ीक्यूटिव अनीश शाह, और जुबिलेंट भारती ग्रुप के संस्थापक एवं सह-चेयरमैन हरि एस. भारती शामिल हैं।

इन भारतीय सीईओ की भागीदारी विश्वस्तरीय अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती है, ऐसे समय में जब कंपनियां और सरकारें तेजी से बदलते अंतरराष्ट्रीय माहौल के मद्देनज़र आपूर्ति श्रृंखलाओं, प्रौद्योगिकी साझेदारियों और निवेश प्रवाहों का पुनर्मूल्यांकन कर रही हैं। अमेरिका और भारत के बीच नए व्यापार ढांचे को लेकर बातचीत चल रही है, ऐसे में दावोस में ट्रंप से जुड़े कार्यक्रमों में भारत की मजबूत मौजूदगी पर नीति-निर्माताओं और निवेशकों की बारीक नज़र बनी हुई है।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स सेवानिवृत हुई

वाशिंगटन, 21 जनवरी। नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता "सुनी" विलियम्स 27 वर्षों की सेवा के बाद अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी से सेवानिवृत्त हो गयी हैं। यह उनके एक अत्यंत सफल मानव अंतरिक्ष

- उन्होंने नासा के तीन मिशनों में भाग लिया व कुल 608 दिन अंतरिक्ष में बिताये।

उड़ान करियर का अंत है।

नासा ने बताया कि उनकी सेवानिवृत्ति 27 दिसंबर 2025 से प्रभावी हुई है।

विलियम्स अपनी रिकॉर्ड-तोड़ उपलब्धियों और नेतृत्व भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने आधुनिक अंतरिक्ष अन्वेषण को नया आकार देने में मुख्य भूमिका निभायी है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के तीन मिशनों में भाग (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश में भारतीय दूतावास स्टाफ के परिजनों को भारत लौटने की नसीहत

भारत सरकार ने बांग्लादेश की ''नो फैमिली पोस्टिंग'' श्रेणी में डाल दिया है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जनवरी। स्थिति शुभ संकेत नहीं दे रही है। बांग्लादेश में जारी हिंसा और बढ़ती भारत-विरोधी बयानबाज़ी से विदेश मंत्रालय और भारत सरकार चिंतित हैं। अब सरकार ने बांग्लादेश में तैनात भारतीय अधिकारियों के सभी रिश्तेदारों और परिजनों को भारत लौटने के निर्देश दिए हैं।

सरकार व्यावहारिक रूप से बांग्लादेश को नो-फैमिली पोस्टिंग की श्रेणी में डाल रही है, जैसा कि अफगानिस्तान के मामले में किया गया था। पाकिस्तान में भी भारतीय राजनयिकों और अन्य कर्मचारियों को परिवार साथ ले जाने की अनुमति है, हालांकि अधिकांश ने उस विकल्प का उपयोग नहीं किया है।

लेकिन बांग्लादेश में हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं और सभी भारतीयों को देश छोड़ने तथा एहतियाती कदम उठाने को कहा जा रहा है। भारत सरकार संकट और उसके संभावित रुख से पूरी तरह अवगत है, लेकिन इसके बावजूद भारत ने अत्यधिक सावधानी बरतने का रास्ता चुना है और किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप से इनकार किया है।

इन भारत-विरोधी प्रदर्शनों के बीच बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले लगातार जारी हैं और स्थिति और भी गंभीर होती जा रही है। भारत सरकार की कथित हिचकिचाहट को देखते हुए भारत-विरोधी ताकतें अपने हमलों और हिंसा को और तेज कर रही हैं।

हाल ही में एक पेट्रोल पंप पर काम करने वाले हिंदू कर्मचारी को एक व्यक्ति ने पेट्रोल भरवाने के बहाने गाड़ी चढ़ाकर कुचल दिया। कर्मचारी ग्राहक की सेवा करने की कोशिश कर रहा था और इसके बाद भी उस व्यक्ति ने उसे कुचल दिया। बाद में आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

- इसका तात्पर्य है कि बांग्लादेश में तैनात किए जाने वाले दूतावास स्टाफ को अपने परिजनों को साथ ले जाने की अनुमति नहीं होगी।
- इससे पहले अफगानिस्तान की भी ''नो फैमिली पोस्टिंग'' श्रेणी में रखा गया है।
- बांग्लादेश में हिंदुओं की दशा दिनों दिन बदतर हो रही है, हर दिन नृशंस हत्याएं हो रही हैं, लेकिन भारत सरकार ने बेहद सर्तक रूख अपनाते हुए किसी भी प्रकार का दखल देने से इनकार कर दिया है। इससे बांग्लादेश के हिंदुओं में नाराज़गी और निराशा है।

लेकिन जानबूझकर किए गए ऐसे हमलों और हत्याओं के लगभग हर मामले में स्थानीय पुलिस ने अपराधों को दबाने (वाइटवॉश) की कोशिश की है और उन्हें हल्का करने का प्रयास किया है। अधिकांश मामलों में प्रारंभिक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज ही नहीं की जाती। जब तक मामले दर्ज होते हैं, तब तक सबूत मिटा दिए जाते हैं और प्रत्यक्षदर्शियों को चुप रहने की चेतावनी दे दी जाती है।

अब तो सरकार स्वयं ही इन मामलों को इस तरह से पेश कर रही है कि कोई ठोस कदम न उठाने पड़ें। इस तरह के प्रयास अपराधियों का हौसला बढ़ा रहे हैं और उन्हें बार-बार अपराध करके बच निकलने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। कट्टरपंथी तत्वों ने नियंत्रण संभाल लिया है और अल्पसंख्यकों पर हमले तेज कर दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार, हिंसक और चरमपंथी इस्लामी तत्व पहले ही पाकिस्तान के साथ हाथ मिला चुके हैं (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कल्याण नगर निगम में राज ठाकरे ने शिंदे से हाथ मिलाया

मुंबई, 21 जनवरी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने बुधवार को कल्याण-डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को अपना समर्थन दे दिया है। इस कदम से महापौर

- कहते हैं कि भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिये यह समझौता हुआ है।

पद पर दावा ठोकने के लिए शिवसेना की स्थिति और मजबूत हो गई है।

राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी द्वारा कल्याण-डोंबिवली में शिवसेना सहित सत्तारूढ़ महायुति के खिलाफ निकाय चुनाव लड़ने के कुछ ही दिनों बाद आए इस फैसले ने राज्य भर में शिवसेना (यूबीटी) के साथ इसके गठबंधन के स्थायित्व पर सवाल खड़े कर दिए हैं। साथ ही यह भी चर्चा शुरू (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुरुर से भरे हुए ट्रंप डावोस पहुंचे, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक में

ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों को, उनकी ''औकात'' दिखाते हुए कहा, मैक्रों ज्यादा दिन राष्ट्रपति नहीं रहेंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जनवरी। अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप आज दावोस पहुंचे, जहां वह वार्षिक वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) में हिस्सा ले रहे हैं। इसी बीच यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डर लेयेन ने कहा कि यूरोप वॉशिंगटन की टैरिफ धमकियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए ''पूरी तरह तैयार'' है।

दावोस में हो रहा डब्ल्यूईएफ ऐसे समय में आयोजित हो रहा है जब दुनिया भर में बड़े पैमाने पर उथल-पुथल देखी जा रही है।

दावोस शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति के ''बोर्ड ऑफ पीस'' पर एक सत्र की मेजबानी करने की भी उम्मीद है। यह एक नया निकाय है, जिसका उद्देश्य गाजा में इज़राइल-हमास युद्ध के अंत की निगरानी करना है।

इससे पहले आज ट्रंप को एक अलग विमान में सवार होना पड़ा, क्योंकि एयर फोर्स वन को दावोस जाते समय ''मामूली विद्युत खराबी'' के कारण वापस लौटना पड़ा।

अहंकार से भरे ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की उस अपील को ठुकरा दिया, जिसमें उन्होंने ग्रीनलैंड को हासिल करने के वॉशिंगटन के प्रयासों पर बढ़ते तनाव के बीच एक आपातकालीन जी-7 बैठक बुलाने का आ ान किया था।

ट्रंप ने कहा, ''नहीं, मैं ऐसा नहीं करूंगा... क्योंकि इमैनुएल ज्यादा समय तक वहां रहने वाले नहीं हैं और वहां कोई स्थायित्व नहीं है।''

- ट्रंप ने राष्ट्रपति मैक्रों के मैसेज का स्क्रीन शॉट सार्वजनिक किया। मैक्रों ने ट्रंप को मैसेज दिया था कि वे डावोस की बैठक के बाद पेरिस में जी-7 की बैठक आहूत कर सकते हैं, जिसमें वे यूक्रेन, डेनमॉर्क, सीरिया व रूस को बुला लेंगे, जिससे सब जान सके कि ट्रंप ग्रीनलैंड के बारे में क्या करना चाहते हैं।
- ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए अभिमानपूर्वक यह कहा कि वे पेरिस बैठक में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि स्वयं मैक्रों का भविष्य अनिश्चितता से घिरा हुआ है और वे ज्यादा दिन राष्ट्रपति नहीं रहेंगे।
- ट्रंप ने नाटो पर व्यंग्य कसा कि उन्होंने नाटो पर बहुत पैसा खर्च किया है और उनकी दिक्कत के समय फिर हमें ही आना होगा। पर, मुझे संशय है कि नाटो कभी अमेरिका की मदद के लिए आगे आएगा।
- ट्रंप की गर्वोक्तियों के बावजूद, यूरोपियन कमिशन की प्रैसिडैंट उर्सुला लेयन व ब्रिटेन के प्र.मंत्री स्टारमर ने ट्रंप की दादागिरी के खिलाफ संगठित होने का अपना निश्चय पुनः पुरज़ोर ढंग से दोहराया।

ट्रंप ने नाटो पर भी निशाना साधा और कहा, ''मैंने नाटो के लिए किसी भी जीवित या मृत व्यक्ति से ज्यादा किया है... लेकिन नाटो को हमारे साथ भी निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। नाटो को लेकर मेरी सबसे बड़ी चिंता यह है कि हम उस पर भारी मात्रा में पैसा खर्च करते हैं और मुझे पता है कि हम उनकी मदद के लिए आगे आएंगे, लेकिन मुझे सच में संदेह है कि वे हमारी मदद के लिए आएंगे या नहीं।''

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर मैक्रों के उस संदेश का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के बाद जी-7 बैठक के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति को आमंत्रित किया था।

संदेश में मैक्रों ने कहा, ''मेरे मित्र, हम सीरिया पर पूरी तरह एकमत हैं। हम (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केरल के कांग्रेसी नेताओं की 23 को दिल्ली में बैठक

नयी दिल्ली, 21 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केरल विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस के नेताओं की दिल्ली में बैठक बुलायी है।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि यह बैठक पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में 23

- पार्टी मुख्यालय में होने वाली बैठक खड़गे, राहुल गांधी व वेणुगोपाल भी शामिल होंगे।

जनवरी को होगी।

गौरतलब है कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा कांग्रेस नेतृत्व एक के बाद एक चुनावी राज्यों के नेताओं के साथ दिल्ली में बैठक कर रहा है। इस वर्ष विधानसभा चुनाव वाले राज्य पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के नेताओं के साथ बैठक का दौर जारी है।

बैठक में कांग्रेस नेता एवं लोक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)